स्वागत् एवं धन्यवाद की आराधना

दिनांक : 13.01.2013

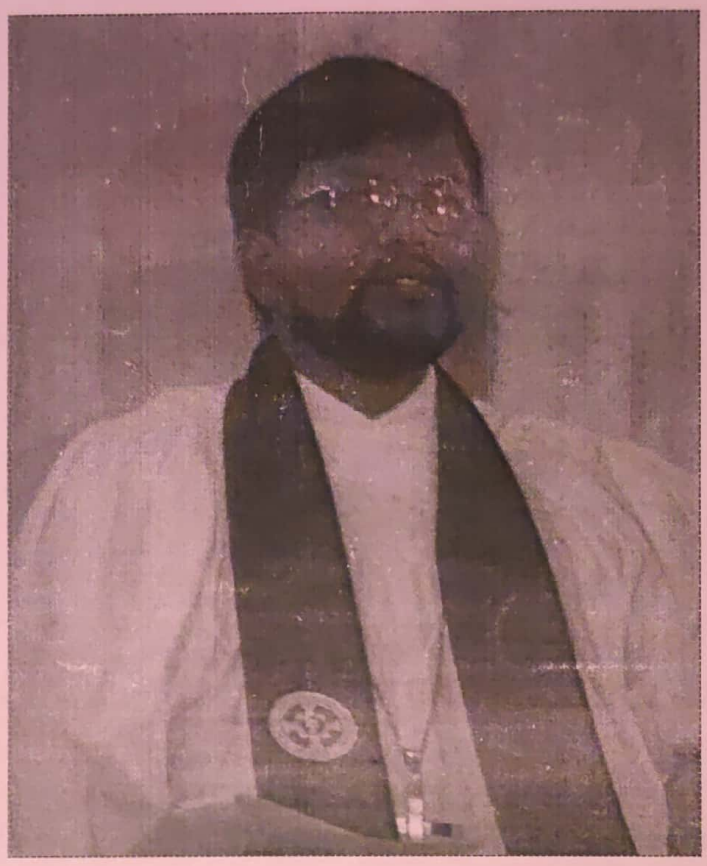

नवनिर्वाचित बिशप

दि. राईट रेव्ह. पूर्ण सागर नाग

(डायोसिस ऑफ छत्तीसगढ़)

सामुदायिक भवन

ग्रेस चर्च सी.एन.आई., रायपुर (छ.ग.)

(डायोसिस ऑफ छत्तीसगढ़)

वक्ता – दि. राईट रेव्ह. पूर्ण सागर नाग

संचालक – रेव्ह. असीम प्रकाश विक्रम

Scanned with Ca

नवनिर्वाचित दि. राईट. रेव्ह. पी. एस नाग का संक्षिप्त परिचय

बिशप. पी. एस. नाग का जन्म 05 जनवरी 1967 में हुआ था । 28 मई. 1995 को डायोसिस ऑफ कटक में प्रेसबिटर इंचार्ज के रूप में आपका अभिषेक हुआ । आपको 17 वर्ष से भी ज्यादा पास्तरीय सेवा का अनुभव है ।

आपने धर्म विज्ञान स्नातक उपाधि – (बी. डी) युनियन बिबलिकल सेमनरी पूणे से किए आप 2001 से 2004 तक ऑल उडीसा यूनाईटेड क्रिश्चियन फोरम भूवनेश्वर के अध्यक्ष रहे । और अगस्त 2007 से जुलाई 2010 तक क्रिश्चियन लीडर्स फेलोशिप उडीसा के जनरल सेकेटरी के रूप में सेवाये दी । इसके– अलावा सीनेड स्तर पर आपने सी. एन. आई. सीनेड कमीशन ऑन रिलीजन एंड लाईफ के सेक्रेटरी के रूप में कार्य किये । 2005 से 2008 तक आप थियोलॉजिकल कमीशन के सदस्य भी रहें । और 2008 से 2011 तक सी. एन. आई. सीनेड के कार्यकारिर्णी समिति के भी सदस्य रहें । वर्तमान में 2011 से 2014 तक आप सी. एन. आई. सीनेड थियोलॉजिकल कमीशन के पद पर सेवाएं दे रहे हैं । आप विवाहित है आपकी पत्नी का नाम श्रीमती प्रीतिबाला है और आपके दो सुपुत्रियॉ हैं–गुड फ्रीडीया एवं अन्ना तनमया ।

Scanned with Ca

आराधना विधि

1. **बिशप**, पासवान, क्वायर का आराधनालय में प्रवेश
2 गीत नं – 586

1) परमपिता कि हम स्तुति गाये,
वही है जो बचाता हमें,
सारे पापों को करता क्षमा,
सारे रोगों को करता चंगा ।

2 धन्यवाद दें उसके आसनों में,
आनन्द से आये उसके चरणों में,
संगीत गाके खुशी से,
मुक्ति की चटटान को जय ललकारें ।

3 वही हमारा है परम पिता,
तरस खाता है सर्व सदा,
पूरब से पश्चिम है जितनी दूर
उतने ही दूर किये हमारे गुनाह ।

4 चरवाहे की मानिन्द ढूंढा उसने
पापों की कीच से निकाला हमें
हमको बचाने को जान अपनी दी,
ताकि हमको चोट न लगे ।

5 घोसले को बार–बार तोड कर उसने,
चाहा कि सीखें हम उडना उससे
परो पर उठाया उकाब की तरह,
ताकि हमको चोट न लगें ।

3. <u>आहवान्</u> – हे सारी पृथ्वी के लोगो यहोवा का जयजयकार करो आन्नंद से उसकी आराधना करो जयजयकार के साथ उसके सम्मुख आओ निश्चय जानो की यहोवा ही परमेश्वर है उसी ने हमको बनाया और हम उसी के है ।

4. <u>प्रारंभिक प्रार्थना</u> – रेव्ह. असीम प्रकाश विकम

Scanned with Ca

5. गीत नं –33

1 हे महापवित्र सर्वशक्त परमेश्वर
प्रातः काल आनन्द से तेरी स्तुति गावेंगे
तू महापवित्र ईश्वर कृपा सागर
सर्वाधिकारी योग प्रशंसा के ।

2 हे महापवित्र सन्त सब भजन करते ।
तेरे सन्मुख अपनी कीर्ति तुच्छ समझते हैं ।
करूबीम सराफीम तेरे साम्हने गिरते
जो था और है और रहेगा सदैव ।

3 हे महापवित्र अन्धकार के कारण
तेरे दर्शन पापी जन को मिलता है नही
केवल तू पवित्र हे अद्वैत परमेश्वर
सामर्थी प्रेमी और दयानिधि ।

4 हे महापवित्र सर्वशक्ति परमेश्वर
सारी सृष्टि तेरे नाम का धन्यवाद करे
तू महापवित्र ईश्वर कृपासागर
सर्वाधिकारी योग प्रशंसा के ।

बिशप : प्रभु यीशु ख्रीष्ट का अनुग्रह,
परमेश्वर का प्रेम और
पवित्र आत्मा की सहभागिता आप
सब के साथ रहे ।

मण्डली : और आपके साथ भी रहे ।

सब कहे : हेसर्वशक्तिमान परमेश्वर आपके सम्मुख सब के हृदय खुले हैं आप सब की अभिलाषाओं को जानते हैं और आप से कोई भेद छिपा नहीं है । अपने पवित्र आत्मा की प्रेरणा से हमारे हृदय के विचारों को शुद्ध कीजिए कि हम आपसे पूर्ण रूप से प्रेम करें और योग्य रीति से आपके पवित्र नाम कि स्तुति करे हमारे प्रभु यीशु ख्रीष्ट के द्वारा आमीन ।

Scanned with Ca

स्वर्ग में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उसके लोगों को शांति । हे प्रभु परमेंश्वर, स्वर्गिक राजा, सर्वशक्तिमान पिता परमेश्वर, हम आपकी आराधना करते, आपको धन्वाद देते और आपकी महिमा के कारण आपकी स्तुति करते हैं । हे यीशु ख्रीष्ट परमेश्वर पिता के एकलौते पुत्र, हे प्रभु परमेंश्वर, हे परमेश्वर के मेम्ने, आप जो जगत का पाप उठा ले जाते हैं, हम पर दया कीजिए । आप पिता की दाहिनी ओर विराजमान है, हमारी प्रार्थना स्वीकार कीजिए । क्योकि केवल आप ही पवित्र है, आप ही प्रभु है, आप ही हे यीशु ख्रीस्त पवित्र आत्मा के साथ, परमेश्वर पिता की महिमा में परम उच्च हैं, आमीन ।

कलीसियाई प्रार्थना : रेव्ह प्रदीप कुमार

स्वागत गीत : महिला सभा द्वारा

परिचय एवं स्वागत् :

विशेष गीत : सण्डे स्कूल, महिला सभा द्वारा,

उत्तरवादी पाठ : भजन सहिंता 2:1–12 (श्री प्रदीप चौहान)

शास्त्र पठन : यशायाह 42:1–7 (श्री. अरविन्द सिंग)

प्रेरितो के काम 8:26–40 (सुश्री. मुक्ता आसना)

लूका 3:15–22 (रेव्ह. असीम प्रकाश विकम)

13. वचन की तैयारी में गीत : क्वायर द्वारा

14 संदेश : दि. राईट रेव्ह. पी. एस. नाग

15. सूचनाएं एंव धन्यवाद ज्ञापन : रेव्ह. असीम प्रकाश विकम

16. दान गीत नं 588

दान संग्रह सहायकगण :– (1) श्री विकास युसुफ (2) श्री प्रवीशांत सालोमन

(3) श्री प्रवीण तांडी (4) श्रीमती अनिता टोप्पो

Scanned with Cam

कोरस . आशिष तूझसे चाहते है ,हे स्वर्गीय पिता हम आते है ।

1) कोई खूबी है न लियाकत, बख्शो हमको अपनी ताकत,
खाली दिलो को लाते हैं, हे स्वर्गीय पिता हम आते है ।

2) हमने बहुत खतायें की है, रहे निकम्मे जफायें की हैं,
शर्म से सिर झुक गाते हैं, हे स्वर्गीय पिता हम आते हैं ।

3) तुम हो शक्तिमान प्रभु जी, कुदरत तुम्हारी शान यीशु जी,
हम्द– ओ सना हम गाते हैं, हे स्वर्गीय पिता हम आते हैं ।

4) बन्दे को तू कभी न भूले, दुःख सहे दुनिया में तू ने,
उसी प्यार को चाहते है, हे स्वर्गीय पिता हम आते हैं ।

दान की प्रार्थना : रेव्ह असीम प्रकाश विक्रम

18 **पापांगीकार**

प्रेसबिटर : प्रिय, भाईयो और बहिनो, हमारे प्रभु यीशु खीस्त ने कहाः प्रभु हमारा परमेश्वर ही एकमात्र प्रभु है, तू प्रभु अपने परमेश्वर को अपने संपूर्ण प्राण, संपूर्ण बुद्धि और संपूर्ण शक्ति से प्रेम कर । यह पहिली आज्ञा है दूसरी यह है : अपने पडोसी को अपने समान प्रेम कर । इससे बडी और कोई आज्ञा नही ।

प्रेसबिटर : परमेश्वर ने संसार से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पूत्र यीशु खीष्ट दे दिया कि वह हमें पापों से बचाए, स्वर्ग में हमारे लिए निवेदनकर्ता हो और हमें शाश्वत जीवन में पहुंचाए । इसलिए हम पश्चाताप और विश्वास के साथ अपने पापों का अंगीकार करें । हम परमेश्वर की कृपा से उसकी आज्ञाओं का पालन करने का और सब लोगों के साथ मेल मिलाप और प्रेम से रहने का दृढ संकल्प करें ।

मण्डली : हे सर्वशक्तिमान परमेश्वर, हमारे स्वर्गीय पिता, हम ने मन वचन और कर्म से आपके विरूद्ध और अपने साथियो के विरूद्ध पाप किया है । हम ने अपनी अज्ञानता और दुर्बलता के कारण और जानबूझकर भी बुराई की है और भलाई करने में असफल रहे है । इन सब पापों के लिए हम सचमुच खेदित हैं और अन्तःकरण से पश्चाताप करते है । आपके पुत्र, यीशु खीस्त ने हमारे लिये अपने प्राण दिये, उन्हीं के कारण

Scanned with Ca

हमने जो पाप किये हैं उनको क्षमा कीजिए और यह वर दीजिए कि भविष्य में हम नया जीवन पाकर सदा आपकी सेवा करें ताकि आपके पवित्र नाम की महिमा हो । आमीन

बिशप : सर्वशक्तिमान परमेश्वर उन सब को क्षमा करता है जो अपने साथियों को क्षमा करते और सच्चा पश्चाताप करते हैं । वह आप सब पर दया करें, आप सब के पापों को क्षमा करें और उनसे आपको छुटकारा दें । सब भले कामो में आपको स्थिर और सबल करे और शाश्वत जीवन में बनाये रखें, हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा आमीन

सब : आमीन । परमेश्वर का धन्यवाद हो ।

शांति अभिवादन बिशप : हम सब मिलकर खिस्त की देह हैं । हम सबने एक आत्मा द्वारा एक देह में बपतिस्मा लिया है । हम ऐसे कार्यो में संलग्न रहें जिन से शांति मिलती है और एक दुसरे का निर्माण होता है । प्रभु की शांति सदा आपके साथ रहें ।

मण्डली : और आपके साथ भी रहे ।

बिशप : प्रभु यहां उपस्थित है ।

मण्डली : उनका आत्मा हमारे साथ है ।

बिशप : अपना हृदय प्रभु में लगाओं ।

मण्डली : हम उसको प्रभू में लगाते हैं ।

बिशप : हम प्रभु अपने परमेश्वर को धन्यवाद दें

मण्डली : उनका धन्यवाद और स्तुति करना उचित है ।

19. **बिशप** हे पवित्र पिता, स्वर्गीय राजा, सर्वशक्तिमान और सदा जीवित परमेश्वर, यह उचित ही नही वरन हमारा कर्तव्य और आनंद भी है कि हम हर समय और हर जगह आपके एकलौते पुत्र अपने प्रभु यीशु खीस्त के द्वारा आप को धन्यवाद दें और आपकी स्तुति करें । वहीं आपका सत्य और जीवित वचन है, उसी के द्वारा आप ने आदि से सब वस्तुओं की सृष्टि की और हमें अपने स्वरूप में बनाया । उसी के द्वारा आप इस संसार में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को प्रकाशित करते है। और आप ने युग युग में नबियों और विद्वनों को नियुक्त किया कि वे आपका मार्ग दिखाएं । उसी के द्वारा आप ने हमें पाप के बंधन से मुक्त किया हैं । आप ने उसे दे दिया कि वह

Scanned with Ca

हमारे लिए मनुष्य बनें, कूस पर प्राण दे और पवित्र जीवनदायक आत्मा हमें प्रदान करते हें, जिससे हम आपकी संतान बनें और आपकी नई सृष्टि के प्रथम फल हों ।

मण्डली : इसलिए संतो और स्वर्गदूतों के साथ जो आपके सिहांसन के सामने निरंतर आपकी स्तुति करते हैं हम भी आपके नाम की महिमा का गान करते और यह कहकर आपकी सराहना करते हैं पवित्र पवित्र पवित्र प्रभु प्रतापी और सर्वसामर्थी परमेश्वर स्वर्ग और पृथ्वी आपके ऐश्वर्य से परिपूर्ण है परमधान में होशन्ना ।

बिशप : हे सवर्गीय पिता, अपने पुत्र हमारे उद्धारकर्ता यीशु खीस्त के द्वारा हमारे इस स्तुतिगान को स्वीकार कीजिए हमें जो अब उसके नमूने पर चलते और उसकी आज्ञा का पालन करते है, यह वर दे कि आपकी आत्मा के सामर्थ्य से रोटी और दाखरस की यह भेंट हमारे लिए उस की देह और रक्त हों जो हमारे निमित मरा और जी उठा । जिस रात्रि वह पकडवाया गया उन्होने रोटी ली और आपको धन्यवाद देकर तोडी और अपने शिष्यों की दी और कहा लो खाओं यह मेंरी देह है जो तुम्हारे लिए दि जाती है । मेरी स्मृति में ऐसा ही किया करों । इसी प्रकार भोजन के उपरांत उन्होने कटोरा लिया और आपका धन्यवाद देकर उनको दिया और कहा, तुम सब इसमें से पियो क्योकि यह नई वाचा का मेरा रक्त है जो तुम्हारे और बहुतों की पाप क्षमा के निमित बहाया जाता है। तुम जब कभी इसे पियो तो मेंरी स्मृति में ऐसा ही किया करों । इसलिए हे स्वर्गिक पिता, उस की स्मृति में हम इस रोटी और इस दाखरस को पृथक करते हैं । हम उसके कूस पर एक ही बार समर्पित सिद्ध बलिदान को, उसके मृतको में से पुनरूत्थान को और स्वर्ग में उसके आरोहण को आनंद से मनाते और घोषित करते हैं और हम उसके महिमा सहित आने की प्रतीक्षा करते हैं ।

मण्डली : धन्यवाद और आदर और महिमा और पराकम युगानयुग आपके ही हों आमीन ।

20. **पवित्र सहभागिता**

बिशप : हम मसीह की देह में सहभागी के लिए इस रोटी को तोडते हैं ।

मण्डली : हम एक देह हे क्योकि हम सब एक ही रोटी में सहभागी होते है ।

Scanned with Ca

बिशप : हम इस कटोरे के द्वारा जिस पर हम आशीष मांगते है खीष्ट के रक्त में सहभागी हैं ।

मण्डली : खीष्ट का जीवन हम में है और हम उसी में जीवित हैं ।

21 प्रभु की प्रार्थना :

हे हमारे स्वर्गिक पिता,
आपका नाम पवित्र माना जाए
आपका राज्य आए
आपकी इच्छा जैसे स्वर्ग में पूरी होती है,
वैसे पृथ्वी पर भी पूरी हो ।
आप हमारी दिन भर की रोटी आज हमे दीजिए
आप हमारे अपराधों को क्षमा कीजिए
जैसे हमने अपने अपराधियों को क्षमा किया है ।
आप हमें परीक्षा में मत डालिए,
परन्तु बुराई से बचा लीजिए ।
क्योकि राज्य, पराक्रम और महिमा
अब और सदा–सर्वदा आपके ही हैं । आमीन

सब कहें : हे दयामय प्रभु हम अपनी धार्मिकता पर नहीं परन्तु आपकी बडी और बहुविध दया पर भरोसा करके आपके इस मेज के पास आने का साहस करते हैं । हम तो इस योग्य भी नहीं कि जो चूरचार आपकी मेज पर से गिरते हैं चुने, पर आप वहीं प्रभु है । जिसका स्वभाव सदा दया करना है । इसलिए हे कृपालु प्रभु हम को यह वर दे कि आपके प्रिय पुत्र यीशु खीष्ट के मांस को ऐसे खांए और उसका रक्त ऐसे पिये कि हमारी देह और आत्मा जो पाप से अशुद्ध हुई हैं उसकी अमूल्य देह और रक्त से शुद्ध हो जाएं और हम उसमें और वह हम में सदा सर्वदा रहें, आमीन
धन्य है वह जो प्रभु के नाम में आता है परमधाम में होशन्ना
हे यीशु परमेश्वर के मेमने, हम पर दया कीजिए ।

Scanned with Ca

हे यीशु, हमारें पापो का बोझ उठाने वाले, हम पर दया कीजिए

हे यीशु संसार के मुक्तिदाता, हमें अपनी शांति प्रदान किजिए ।

प्रेसबिटर : विश्वास के साथ पास आओ, हमारे प्रभु यीशु खीस्त की देह को जो उसने आपके लिए दी और उसके रक्त को जो उसने आपके लिए बहाया, लो स्मरण करो कि यीशु आपके लिए मरे और धन्यवाद करते हुए अपने हृदय में खीस्त को विश्वास से खाओं

22. **प्रभु भोज :**

23 **सहभागिता के पश्चात्**

मण्डली : हे स्र्वशक्तिमान परमेश्वर हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने अपने पुत्र यीशु खीष्ट की देह और रक्त के आत्मिक भोजन से हमे तृप्त किया हैं । अब हम उन्ही के द्वारा अपने आपको जीवन बलिदान होने के लिए आपके पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से परिपूर्ण होकर यहां से विदा हों और अपने जीवन तथा सेवा के द्वारा हर समय आपकी महिमा प्रकट करें आमीन

23. **आशीष वचन** – दि. राईट. रेव्ह. पी. एस. नाग

24. **अतिम गीत 389**

1 सेवा में सेवा में हम नित्य तत्पर रहें
और यों खीष्ट के आदेश को हम पूरा करें
लेकर उस ही की शक्ति और होकर बलवान
जगत भर में प्रचारें कि सेंतमेत हें त्राण ।

कोरस – करो काम शक्ति भर
करो काम धीरज धर
रख के आश और विश्वास
तन मन से काम कर यीशु का ।

2) सेवा में सेवा में भूखों को सब खिला
और पियासों को जीवन के सोते पर ला
लेकर कूस को हम खीष्ट का फिर करे बयान

Scanned with Ca

जगत भर में प्रचारें कि सेतमेत हैं त्राण

3) सेवा में सेवा में जो हम रहें लौलीन
ते हम आगे न होवेगे मुकुट विहीन
और जब स्वर्ग में नित्य होवे हमारा निज सीन
तब वहां हम गावेगें कि सेतमेंत हे त्राण ।

24. <u>अंतिम आशिष</u> – दि. राईट. रेव्ह. पी. एस. नाग

25. <u>अंतिम प्रार्थना गीत –</u>

पवित्र आत्मा पिता पुत्र
इन तीनों की अब होवे स्तुति
जैसा कि वह आरंभ में था
अब है और सदा रहेगा

Scanned with Ca